बिहार सरकार

सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग

आज

कतरन संख्या .....

तिथि 201

समाचार-पत्र का नाम .....

प्रकाशन तिथि ..... 14 JUN 2021 .....

मंत्री/अपर मुख्य सचिव/आयुक्त

..... विभाग

के अवलोकनार्थ

सहायक निदेशक (प्रेस)

विधान परिषद चुनाव को लेकर सुगबुगाहट शुरू

पटना (आससे)। चुनाव आयोग की तरफ से भले ही बिहार विधानपरिषद चुनाव को लेकर अभी तारीख का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन, इसको लेकर राजनीतिक गतिविधियां शुरू हो गई हैं. बिहार में बीजेपी और जेडीयू की तरफ से इसको लेकर रणनीति बनाने की कोशिश शुरू हो गई है. बिहार बीजेपी के प्रभारी भूपेंद्र यादव के पटना में मौजूद होने के बाद इन तमाम मुद्दों को लेकर रणनीति बनाने का दौर तेज हो गया है. बीजेपी में बैठकों का दौर चल रहा है. इसके बाद जेडीयू के साथ बैठकर बीजेपी की तरफ से विधानपरिषद चुनाव को लेकर चर्चा होगी.

गौरतलब है कि मई में बिहार में विधानपरिषद की 29 सीटें खाली हुई हैं. बिहार में उपरी सदन विधान परिषद की कुल 75 सीटें हैं, जिनमें 29 सीटें इस वक्त खाली हैं. इनमें 17 सीटों का कार्यकाल 6 मई को खत्म हो चुका है, जबकि 12 सीटों का कार्यकाल 23 मई को खत्म हुआ है.

इन सीटों को अलग-अलग कैटेगरी में देखें तो विधानसभा कोटे की 9 सीटें खाली हो गई हैं, जबकि स्नातक और शिक्षक कोटे की 4-4 सीटें खाली हैं. इसके अलावा राज्यपाल कोटे की दस सीटें खाली हुई हैं, लेकिन जेडीयू के लल्लन सिंह और एलजेपी के पशुपति कुमार पारस के सांसद बन जाने के बाद उनकी भी दो सीटें खाली पड़ी हैं, जो कि राज्यपाल कोटे की ही सीटें थीं. ऐसे में राज्यपाल कोटे की सीटों की संख्या बढ़कर 12 हो जाती है.इस तरह बिहार की विधानपरिषद की कुल 29 सीटें हो जाती हैं जिन्हें भरा जाना है.

भाजपा और जदयू ने रणनीति बनानी शुरू की

बिहार में जिन लोगों का विधानपरिषद का कार्यकाल समाप्त हुआ है, उनमें नीतीश सरकार में जेडीयू कोटे के दो मंत्री नीरज कुमार और अशोक चौधरी भी शामिल हैं. इसके अलावा जेडीयू कोटे से विधान परिषद सदस्य और विधानपरिषद के सभापति हारून रशीद का भी कार्यकाल भी पिछले 6 मई को खत्म हो गया है. इन तीनों के अलावा जेडीयू की तरफ से पूर्व मंत्री पीके शाही, सतीश कुमार, हीरा प्रसाद बिंद और सोनेलाल मेहता की सीट भी खाली हो गई है. बात बीजेपी की करें तो कृष्ण कुमार सिंह, राधमोहन शर्मा के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयुख का बतौर

(शेष पृष्ठ ९ पर)

विधान परिषद चुनाव...

विधानपरिषद सदस्य कार्यकाल खत्म हो चुका है.शिक्षक कोटे से सारण क्षेत्र से सीपीआई नेता केदार पांडे, शिक्षक कोटे से ही दरभंगा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, शिक्षक कोटे से तिरहुत क्षेत्र से सीपीआई के संजय कुमार सिंह और शिक्षक कोटे से ही पटना क्षेत्र से बीजेपी के प्रो. नवल किशोर यादव का कार्यकाल खत्म हो गया है.जबकि स्नातक कोटे से पटना क्षेत्र से बिहार सरकार में मंत्री नीरज कुमार, दरभंगा क्षेत्र से दिलीप कुमार चौधरी, कोसी क्षेत्र से बीजेपी के डॉ. एन के यादव और तिरहुत क्षेत्र से देवेश चंद्र ठाकुर का कार्यकाल खत्म हो गया है.विधानसभा कोटे की 9 सीटों की बात करें तो, इन सभी सीटों पर चुनाव होने की स्थिति में मौजूदा समीकरण के हिसाब से विधानपरिषद की एक सीट के लिए 25 विधायकों की जरूरत होगी. एनडीए के संख्या पर गौर करें तो इस वक्त 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में जेडीयू के 70, बीजेपी के 54 और एलजेपी के दो एमएलए हैं. जबकि विपक्षी दलों में आरजेडी के 79 और कांग्रेस के 26 एमएलए हैं. इसके अलावा सीपीआईएमएल के तीन, जीतनराम मांझी की पार्टी हम सेक्युलर से 1 और ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से 1 विधायक है. इसके अलावा बिहार विधानसभा में निर्दलीय विधायकों की संख्या 5 है.

15/6

(एच० आर० श्रीनिवास)

बि०स०मु० (सूचना एवं जनसम्पर्क)-1-ऑफसेट-2,00,000-6.9.2018